तलाकशुदा माँ की अगन-1

“यह कहानी मेरी माँ और हम दो भाइयों के जीवन का अनुभव है। पिताजी ने माँ को तलाक दे दिया था. एक दिन मैंने कुछ ऐसा देखा कि मेरा दिल दहल गया कि ऐसा भी हो सकता है. …”

Story By: (sweetrohan)
Posted: Sunday, March 3rd, 2019
Categories: माँ की चुदाई
Online version: तलाकशुदा माँ की अगन-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तलाकशुदा माँ की अगन-1

दोस्तो, मेरा नाम रोहन है। मैं अभी कुछ महीनों से मेरे बड़े भाई और मेरे साथ अपनी माँ की सेक्स लाइफ लिखना चाहते हैं। लेकिन माँ की स्वीकृति के बाद अब लिखने का समय मिला। मेरी मम्मी राम्या ने अपनी ज़िन्दगी को सभी के साथ साझा करते हुए आप सभी को अपनी माँ के साथ मजबूत सम्बन्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। मम्मी का हमारे साथ इतना गहरा सम्बन्ध है कि हमारे साथ बिल्कुल एक कामोत्तेजक और जंगली महिला की तरह रहती हैं जिसे आप सभी हमारे जीवन को जानने के बाद महसूस करेंगे।

हम परिवार में तीन हैं, माँ राम्या उम्र 44 वर्ष, भाई करण उम्र 22 और मैं रोहन उम्र 20 वर्ष। यह कहानी मेरे और मेरे बड़े भाई के साथ मेरी माँ के जीवन का अनुभव हैं। मेरी माँ राम्या बहुत गोरी और दुबली है उनका फिगर 36 32 36 का है और वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत सुंदर दिखती हैं और यहाँ तक कि उसे एक साल तक चोदने के बाद मैं उनके लिए और भी ज्यादा सेक्स की लालसा करता हूँ।

मेरे पिताजी ने मेरी माँ को 3 साल पहले तलाक दे दिया था, जब वह 41 साल की थीं क्योंकि पापा के किसी दूसरी महिला के साथ सम्बन्ध थे और पिताजी उस औरत के साथ विदेश चले गए। हम अपने व्यवसाय (मार्बल्स एंड टाइल्स) पर आत्मनिर्भर हैं, मेरा भाई और मैं साथ-साथ अपना बिजनेस करते हैं।

18 साल की उम्र में माँ राम्या की शादी हुई, शादी के दो वर्ष बाद उन्होंने करण को जन्म दिया और दो साल मुझे जन्म दिया।
हम इंदौर शहर में रहते हैं और हमारा कारखाना हमारे शहर के पास ही है, साथ ही हमारा एक फार्महाउस भी है, तलाक के बाद शुरुआती दिनों में मेरी माँ राम्या ने जीवन में काफी संघर्ष किया. मम्मी करण के साथ ज्यादातर कारखाने में ही रहती थी। जैसे-जैसे समय

बीतता गया करीब 6 महीने के आसपास, मैंने अपनी माँ के व्यवहार में बदलाव पाया पर उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जान पाया। मैं तब अपनी इंजीनियरिंग के पहले साल मैं था।

एक महीने में मैंने अपने भाई के रवैये में भी बहुत बदलाव देखा क्योंकि वह और माँ कई घंटों के लिए घर में नहीं रहते थे जो पहले आम नहीं था। मैं कॉलेज में नियमित नहीं था और मैं सप्ताह में कई बार शाम के समय अपने फार्महाउस में जाता था और मैदान के बीच में हमारे छोटे से 2 कमरे वाले घर में पोर्न देखता था।

एक दिन मैं बहुत हॉर्नी फील कर रहा था और पोर्न देखने और हस्तमैथुन करने के लिए कॉलेज से जल्दी वापस आ गया।
जब मैं हमारे फार्महाउस में पहुँचा तो पाया कि गेट बंद था। मुझे आश्चर्य हुआ कि इस समय यहाँ कौन हो सकता है. मैं अपनी बाइक बाहर खड़ी कर गेट के अंदर चला गया। मैंने घर के पीछे की तरफ जाकर कमरे में झांकने का प्लान बनाया।

मैंने देखा कि घर में ताला लगा हुआ था तो घर के पीछे की तरफ गया, जहाँ मुझे अपने भाई की कार मिली और अंदर कमरे की बन्द खिड़की से किसी लड़की की कराहने की आवाजें आ रही थीं। मुझे लगा कि मेरा भाई किसी लड़की के साथ सेक्स कर रहा है. पहले मैं वापस जाने लगा पर फिर कुछ देर और वहाँ रुका और लड़की की कराहने की आवाज़ सुनकर उत्तेजित हो गया।

मैंने अपने भाई को सेक्स करते हुए देखना चाहा और धीरे-धीरे खिड़की की ओर चल दिया और खिड़की के बीच की दरार से अंदर देखने लगा। मैंने देखा कि मेरा भाई एक औरत को डॉगी स्टाइल में चोद रहा था। मैं जानना चाहता था कि वह औरत कौन थी तो कुछ समय के लिए वहीं रुक गया। मैं उन दोनों की चुदाई को देखकर उत्तेजित हो गया था तो अपनी जीन्स के ऊपर से अपने लन्ड को सहलाने लगा।

फिर करण रुक गया और उसने उस महिला को अपने ऊपर आकर स्थिति बदलने के लिए कहा और फिर जो मैंने देखा वह मेरे जीवन को चकनाचूर कर देने वाला दृश्य था।
यह मेरी माँ राम्या थी जो पूरी तरह से नग्न थी.
मेरी माँ मेरे भाई के ऊपर आई और उसके लन्ड की सवारी करने लगी। मैं जो कुछ भी देख रहा था उससे मैं पूरी तरह से स्तब्ध था।

थोड़ी देर तक भाई द्वारा माँ की चुदाई करते हुए देख कर मैं कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सका। वे दोनों पूरी तरह से कामुक थे क्योंकि मैं माँ को सिसकारियाँ लेते हुए देख सकता था जबकि करण मम्मी के कूल्हों को पकड़े हुए था और माँ की चूत को बहुत तेजी से चोद रहा था।
मम्मी भी उत्तेजित होकर 'और जोर से … हम्म … आअह्ह … सस्स … उम्म्ह… अहह… हय… याह… इस्स्स … सस्स ओ भगवान … करण … आआह … आह्म्म्म … चोदो…' जैसी आवाज़ निकाल रही थी।

मैं उन दोनों की चुदाई को देखकर मगन हो गया. पांच मिनट के बाद मैं अपने होश में वापस आया और मैंने देखा कि मैं पहले से ही अपनी जींन्स में झड़ चुका हूं और मेरी माँ को भाई से चुदते हुए देख रहा था जो कि चुदाई में मग्न थे।
तब मुझे समझ में आया कि क्यों मेरी माँ और भाई दिन में कई घंटे घर पर नहीं होते हैं क्योंकि वे दोपहर के दौरान यहाँ सेक्स कर रहे होते थे क्योंकि यहाँ फार्म्हौसे में कोई नहीं होता था।

मैं भी बहुत कामुक हो गया था और मैं भी अपनी माँ को चोदना चाहता था क्योंकि मैं उसके तलाक के पहले से ही माँ के बारे में उत्तेजक कामना रखता था। अब मुझसे ज्यादा रुका नहीं जा सका, मैं सीधा रूम के दरवाजे को खोलते हुए उनके सामने आ गया और मेरे भाई को बोला- यहाँ क्या चल रहा है ?

जिस समय मैं रूम में घुसा, वे दोनों अपने चरम पर थे और झड़ रहे थे। जैसे ही माँ ने मुझे

देखा तो वह चौंक गई और दोनों अलग हो गए और पास में जो कुछ भी मिला उससे खुद को ढकने की कोशिश करने लगे। दोनों के गुप्तांगों में से वीर्य रिस रहा था और बिस्तर और जमीन पर गिर रहा था।

हर कोई चुप था जब तक कि माँ ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि जो भी मैंने देखा उस बारे में वह मुझे सब कुछ समझा देगी।
मैं उस समय बहुत उत्तेजित था और मम्मी की तरफ हैरानी और गुस्से से देख रहा था। माँ ने बात करने की कोशिश की और करण वहाँ से उठ कर जाने लगा।
माँ ने उसे रोक लिया और कहा- मैं चाहती थी कि रोहन सब कुछ जान ले क्योंकि अब मेरे पास छुपाने के लिए कुछ नहीं है।

करण बुरी तरह से घबराया हुआ था जबकि मेरी माँ शांत थी और स्थिति को संभालने की कोशिश कर रही थी।
माँ ने कहा- तुझे यह जानने की जरूरत है कि पिछले एक महीने से हमारे साथ क्या हो रहा है।
माँ ने मेरी ओर देखा और कहा कि जो कुछ भी हुआ है वो उसे समझाएगी कि मैंने यहाँ क्या देखा।

मैं तब तक और ज्यादा उत्तेजित हो चुका था और मम्मी पर गुस्सा होने की कोशिश कर रहा था और उन पर चिल्लाया- क्या चल रहा है … तुमने ऐसा क्यों किया ?
मैंने कहा- मुझे यह देखकर बहुत धक्का लगा है कि मेरी माँ खेत में मेरे ही भाई के साथ सेक्स कर रही है और मुझे यह उम्मीद नहीं थी क्योंकि तुम एक अच्छी औरत हो।

फिर माँ ने एक मिनट के लिए मौन रखा और बात करना शुरू कर दिया- तलाक के बाद मेरे लिए सामान्य होना बहुत मुश्किल था और तेरे पिताजी ने मुझे छोड़ दिया तो मैं पूरी तरह से गम में खो गई थी।

माँ ने बताया कि वह जीवन में कुशल गृहणी के साथ एक सामान्य पत्नी भी थी और सेक्स के लिए अपनी जरूरतों को नियंत्रित नहीं कर सकती थी जिससे वह कुछ महीने तक वंचित थी। माँ ने कहा कि पिताजी और वह सेक्स में बहुत सक्रिय थे और लगभग हर दिन सेक्स करते थे जब हम घर पर नहीं होते थे और तलाक के बाद वो किसी के साथ यौन सम्बन्ध बनाना चाहती थी।

इस बिंदु पर मैंने उनसे पूछा- आप अपने बेटे के अलावा किसी और के साथ भी यौन सम्बन्ध बना सकती थीं।

मम्मी ने विस्तार से बताना शुरू किया :
मैंने रात में तुम दोनों भाइयों के सोते समय अपार्टमेंट के सुरक्षा गार्ड के साथ यौन सम्बन्ध बनाने की कोशिश की थी लेकिन मुझे डर बहुत लगता था कि वह मेरा इस्तेमाल करेगा और ब्लैकमेल भी कर सकता है इसलिए मैं हमारे परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती थी क्योंकि हमारे व्यवसाय के कारण हमारा अच्छा नाम था। एक रात जब मैं सो नहीं पा रही थी तो खुद उंगली कर रही थी और जब झड़ गयी तो खुद को साफ करने के लिए टॉयलेट गई. वापस आते समय मैंने देखा कि मेरे भाई के कमरे में लाइट चालू थी तो मै यह देखने के लिए करण के रूम में चली गयी कि वो क्या कर रहा है।

जब मैं कमरे में गई तो दरवाजा खुला ही था। मैंने कमरे में झाँक कर देखा तो करण को नंगा बिस्तर पर देख कर चौंक गई. वह लैपटॉप पर पोर्न देखते हुए अपने लन्ड को सहला रहा था।
करण को उस स्थिति में देखना मेरे लिए पहली बार था और मैं अपने बेटे को झड़ते हुए देख पाने की पूरी उम्मीद कर रही थी।
मैंने सोचा कि क्यों न अंदर चली जाऊं पर अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाई बल्कि करण को अपने लन्ड को सहलाते हुए देखकर वही खड़ी हो गई और करण के झड़ने तक

वहीं खड़ी रही। फिर जब करण बाथरूम जाने के लिए उठा तो मैं भी रूम में वापस आ गयी।

इसके बाद तो मेरी नींद पूरी तरह से उड़ गई क्योंकि मेरे बेटे का लंबा और सख्त लन्ड मेरी आँखों में बस गया था और मैं खुद पर नियंत्रण नहीं रख सकी और दोबारा उंगली करना शुरू कर दिया और बहुत बुरी तरह से झड़ने लगी और फिर गहरी नींद में चली गई।

जब मैं अगली सुबह उठी और मुझे खुद पर विश्वास नहीं हो पा रहा था कि मैंने अपने बेटे को मुठ मारते हुए देखा था।

पूरा दिन मैं रात आने का इंतजार कर रही थी और रात होने पर अपने बेटे करण को उसका लन्ड सहलाते हुए देखना चाहती थी। रात को उसके रूम में रोशनी देखकर मैं उसके कमरे के बाहर आई और करण को मुठ मरते देखकर अपनी चूत को भी सहलाने लगी और वही झड़ गयी।

यह सब एक सप्ताह तक जारी रहा और फिर मैंने खुद को करण से चुदवाने का मूड बना लिया। मैंने खुद को आश्वस्त किया कि केवल एक ही तरीका है कि मैं अपने पति से मिल रही सारी खुशियों का दोबारा आनंद ले सकती हूं।

मैं अपने बेटे करण के साथ यौन सम्बन्ध बनाना चाहती थी जो युवा है और उसके बारे में किसी को कभी पता नहीं चलेगा।

sweetsonrohan@gmail.com
Insta/weekendlust_tales

कहानी का दूसरा भाग : तलाकशुदा माँ की अगन-2

Other stories you may be interested in

मेरी मासूमियत का अंत और जवानी का शुरुआत-1

हैलो फ्रेंड्स, यह मेरी पहली कहानी है अन्तर्वासना पर। यह कहानी मेरी पहली चुदाई की है जिसमें मेरी सील टूटी। उम्मीद करती हूँ कि आप लोगों को पसंद आएगी। सबसे पहले मैं आप सबको अपने बारे में थोड़ा सा बता […]
Full Story >>>

मेरी बीवी ने देखी अपने भाई भाभी की डर्टी पिक्चर

घर आकर मैंने डोरबेल बजाई तो मेरी प्रियतमा राशि मुस्कराती हुई दरवाजा खोलकर मुझे अंदर खींचने लगी. मैं समझ गया कि आज जरूर यह मस्ती के मूड में है. दरवाजा बंद होते ही उसने मुझे दरवाजे के सहारे ही वहीं […]
Full Story >>>

बीवी के बदले बीवी

दोस्तो, मैं आपका दोस्त रसूल खान! आज आपको अपनी एक नई कहानी बताने जा रहा हूँ। ये बात बहुत पहले शुरू हुई थी, तब मैं स्कूल में पढ़ता था। मेरे चचाजान सलामत खान की शादी हुई रज़िया बेगम से। रज़िया […]
Full Story >>>

कैसे बनी मैं चुदक्कड़ औरत

अन्तर्वासना के पाठकों को मेरा नमस्कार. मेरी पिछली दो कहानियाँ पढ़कर एक पाठिका ने मुझसे अपनी कहानी शेयर की. इस कहानी को मैं पाठिका के शब्दों में आप सब के सामने प्रस्तुत कर रहा हूँ. दोस्तो, मेरा नाम फातिमा है, […]
Full Story >>>

चोदना था बेटी को मां चुद गयी

अन्तर्वासना की सभी चुदासी लड़की, भाभी, आंटी और कहानी पढ़ने वाले सभी चुतों को मेरे खड़े लंड का चोदता हुआ नमस्कार. मेरा नाम संतोष कुमार है, मैं अभी चेन्नई में जॉब करता हूँ और भोपाल का रहने वाला हूँ. अभी […]
Full Story >>>